प्रारम्भिक संबोधन

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सप्तदश बिहार विधान सभा के सप्तम सत्र के शुभारंभ पर मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान कुल पाँच बैठकें निर्धारित हैं, जिसमें वित्तीय वर्ष दो हजार बाईस-तेईस के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरण के व्यवस्थापन के लिए एक दिन, राजकीय विधेयक के लिए दो दिन एवं गैर सरकारी संकल्प के लिए एक दिन निर्धारित है ।

माननीय सदस्यगण, इस आसन पर बैठकर मैं कोई नई बात नहीं कहने जा रहा हूँ । आप सबों ने मिलकर मुझे इस आसन पर बिठाया है । मेरा प्रयास रहेगा कि सदन अपने मकसद में कामयाब हो । यह स्थान विचार-विमर्श का है । जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाने का है और सरकार का दायित्व है कि पूरी जवाबदेही के साथ उन समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास करें और सदन को आश्वस्त करें । यही इस संसदीय व्यवस्था की खूबसूरती है ।

राजनीति कार्यकलाप में सहभागिता लोकतंत्र का मूल तत्व है। यह एक ऐसी उत्तम व्यवस्था है जिसमें सभी व्यक्ति को समान अधिकार होता है । एक अच्छा लोकतंत्र वह है जिसमें राजनैतिक और आर्थिक न्याय की व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक न्याय की भी व्यवस्था सुनिश्चित होती है। यह व्यवस्था लोगों में सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करती है ।

....2....

लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और जन सरोकार से संबंधित समस्याओं का सभी सदस्यों द्वारा सदन में उठाया जाना एक सतत् प्रक्रिया है । हम सब जन प्रतिनिधियों का एक पक्ष तो यह है कि हम आम जन की समस्याओं को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुँचाने का काम करते हैं वहीं दूसरा पक्ष यह भी है कि हम जनता के हितों के लिए, राज्य के हितों के लिए कानून बनाकर नीति का निर्धारण भी करते हैं । हमें अपने दोनों कर्त्तव्यों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील रहने की आवश्यकता है ।

आप एकबारगी अपने क्षेत्र के, जिला के या इस पूरे राज्य के सभी मसलों का हल नहीं निकाल सकते हैं । यह सतत प्रक्रिया है । हमारा उद्देश्य यही होना चाहिए कि हम पूरी शिद्दत से राज्य की समस्याओं को उजागर करें और सदन में सार्थक विमर्श करें । राज्य की बेहतरी के लिए नीतियों का निर्धारण करें ।

यह सदन अपने अंदर कई महत्वपूर्ण यादों को संजोये रखा है। इसकी पुरानी कार्यवाहियाँ वर्त्तमान और भविष्य के लिए नजीर हैं । हम आज जो यहाँ अपने को अभिव्यक्त करेंगे कल वहीं इतिहास बनेगा। इसलिए आपसे विनम्र अनुरोध है कि सदन के समय का राज्य की आम जनता के हित में उपयोग करें ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि सदन के संचालन में आप सबों का पूर्ण सहयोग मुझे प्राप्त होगा ।

❁❁❁❁❁